गुरु घासीदास विष्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रेस–विज्ञप्ति **दिनांक : 14.10.2011**

बिलासपुर : गुरु घासीदास विश्वविद्याल के शारीरिक शिक्षण विभाग के तत्वावधान में चल रहे पूर्वी क्षेत्र अन्तरविश्वविद्यालयीय महिला खो–खो स्पर्धा में 14 अक्टूबर शुक्रवार को हुए लीग मैच में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की टीम चैम्पियन रही। उसने प्रतिद्वंद्वी कल्याणी विश्वविद्यालय को 'सडन डेथ पद्धति से' हराया। तीसरे व चौथे स्थान पर क्रमशः वेस्ट बंगाल राज्य विश्वविद्यालय बरासत व गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की टीमें रहीं।

उक्त चारों टीमों का आल इण्डिया विश्वविद्यालयीय महिला खो–खो प्रतियोगिता के लिए पहले ही चयन हो चुका है। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि इस विश्वविद्यालय की लान टेनिस महिला टीम ने भी अखिल भारतीय अन्तरविश्वविद्यालयीय लान टेनिस महिला प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

दिनांक 14 अक्टूबर शुक्रवार को हुए समापन समारोह में मुख्य अतिथि बिलासपुर रेंज के आईजी श्री अरुण देव गौतम ने कहा कि खो–खो व कबड्डी जैसे खेलों के लिए उपकरणों की आवश्यकता नहीं होती है। ये दोनों खेल विशुद्ध रूप से भारतीय व ग्रामीण परिवेश पर आधारित हैं। आखेट के आनन्द से ही खो–खो जैसे खेल का जन्म हुआ। खेलों से हमें अनुशासन की सीख मिलती है। युवाओं को अनुशासन में रहना सीखना चाहिए। जिस दिन हम अनुशासित हो जायेंगे, उस दिन हम दुनिया में सबसे अधिक ताकतवर हो जायेंगे। मानसिक व शारीरिक अनुशासन के साथ ही जीवन के सभी क्षेत्रों में अनुशासन बेहत जरूरी है। अनुशासन से ही सीखने का माहौल बनता है।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में माननीय कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने कहा कि हमें विश्वविद्यालय को बरगद के वृक्ष की तरह बनाना है जहां से हम सबको छाया व शीतलता मिलेगी। शिक्षा व खेल का समान रूप से विकास होगा। विश्वविद्यालय की पहचान वहां उपलब्ध सुविधाओं से न होकर वहां के छात्रों एवं शिक्षकों से होती है। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ ही खेलकूद व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है, यह एक सुखद संकेत है। हम सबको मिलकर ऐसे समाज का निर्माण करना है जहां कोई कमी न दिखे। पूर्वी क्षेत्र महिला खो–खो स्पर्धा में जिन चार टीमों का अखिल भारतीय स्तर पर खेल के लिए चयन हुआ है, उनके प्रति मेरी शुभकामना है कि इनमें से ही कोई टीम राष्ट्रीय चैम्पियन बने।

आरम्भ में मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती की प्रतिमा व गुरु घासीदास के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। मां सरस्वती वन्दना व विश्वविद्यालय कुलगीत से कार्यक्रम का श्रीगणेश हुआ। शारीरिक शिक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष एवं स्पर्धा आयोजन समिति के संगठन सचिव डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि व कुलपति ने चारों टीमों के

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें जीत के लिए शुभकामनाएं दीं। समापन समारोह में अखिल भारतीय महिला खो–खो प्रतियोगिता के लिए चयनित चार टीमों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार उन टीमों के मैनेजरों ने प्राप्त किया। अंत में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के झण्डे को सम्मान के साथ उतारा गया। समापन समारोह में कार्यपरिषद सदस्यगण सर्वश्री जावेद उस्मानी, डॉ. भारतीय भट्टाचार्या, डॉ. अरुण भाई सोनी, डॉ. अमित सक्सेना, उपकुलपति डॉ. पी.सी. उपाध्याय, कुलसचिव प्रो.एम.एस.के. खोखर, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एस.व्ही.एस. चौहान, कुलानुशासक प्रो. प्रदीप शुक्ला आदि सहित समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, महिला खो–खो टीमों के कोचेज व मैनेजर, खो–खो फेडरेशन ऑफ इण्डिया की छत्तीसगढ़ इकाई के प्रतिनिधिगण, रेफरीज तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं एवं खिलाड़ी मौजूद थे। कार्यकम का सफल संचालन असिस्टेंट डायरेक्टर (स्पोर्ट्स छत्तीसगढ़) डॉ. लक्ष्मीकान्त पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. एम.एस.के. खोखर ने किया।

अंतिम दिन के लीग मैचों में हुआ फैसला

पूर्वी क्षेत्र अन्तरविश्वविद्यालयीय खो–खो महिला स्पर्धा के लीग मैच के अन्तिम दिन का **पहला मैच** वेस्ट बंगाल राज्य विश्वविद्यालय एवं कल्याणी विश्वविद्यालय के बीच खेला गया जिसमें कल्याणी विश्वविद्यालय ने 3 मिनट 10 सेकेण्ड पहले 01 अंक से विजयी रही। **दूसरा मैच** गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के बीच खेला गया जिसमें पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय 06 अंक से विजयी रही। **तीसरा मैच** पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर और कल्याणी विश्वविद्यालय के बीच 'सडन डेथ' के रूप में खेला गया जिसमें पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की महिला खो–खो टीम 2 मिनट 19 सेकेण्ड में पहला अंक हासिल करते हुए चैम्पियन बनी। इसके पहले इन दोनों ही टीमों के पांच–पांच अंक थे।

मीडिया प्रभारी

प्रति,

संपादक,

.....

बिलासपुर(छ.ग.)